



Pankaj Rai

06 Jun 1983

05:00 PM

Siwan

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120570808

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 06/06/1983 : _____ जन्म तिथि _____ : 06/06/2025
 सोमवार : _____ दिन _____ : शुक्रवार
 घंटे 17:00:04 : _____ जन्म समय _____ : 11:21:22 घंटे
 घटी 30:00:24 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 15:53:47 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Siwan : _____ स्थान _____ : Siwan
 उत्तर 26:14:00 : _____ अक्षांश _____ : 26:14:00 उत्तर
 पूर्व 84:21:00 : _____ रेखांश _____ : 84:21:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:07:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : 00:07:24 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 04:59:54 : _____ सूर्योदय _____ : 04:59:51
 18:42:32 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:42:53
 23:37:14 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:12:46
 वृश्चिक : _____ लग्न _____ : सिंह
 मंगल : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : सूर्य
 मीन : _____ राशि _____ : कन्या
 गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : बुध
 रेवती : _____ नक्षत्र _____ : चित्रा
 बुध : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : मंगल
 2 : _____ चरण _____ : 1
 सौभाग्य : _____ योग _____ : वरियान
 विष्टि : _____ करण _____ : वणिज
 दो-दौलत : _____ जन्म नामाक्षर _____ : पे-पैनी
 मिथुन : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मिथुन
 विप्र : _____ वर्ण _____ : वैश्य
 जलचर : _____ वश्य _____ : मानव
 गज : _____ योनि _____ : व्याघ्र
 देव : _____ गण _____ : राक्षस
 अन्त्य : _____ नाड़ी _____ : मध्य
 सर्प : _____ वर्ग _____ : मूषक
 42 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 43



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वर्ष - विवरण

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

A Sri Yantra diagram, a complex geometric figure consisting of nine interlocking triangles that surround a central point (bindu). The triangles are arranged in a diamond shape. The diagram is filled with various colors and contains Sanskrit characters and numbers. The characters are: चं (top left), मं (top right), के (center), बु (middle right), गु (bottom right), सू (bottom center), मु (bottom left), रा (center), श (bottom center), and शु (bottom right). The numbers are: 6 (top left), 4 (top right), 5 (center), 3 (middle right), 2 (bottom right), 1 (bottom center), 12 (bottom left), 10 (bottom center), 9 (bottom left), 8 (center), 7 (top left), and 11 (center). The diagram is enclosed in a decorative border.

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

सूर्य - बुध - शनि	सूर्य - केतु - केतु	सूर्य - केतु - शुक्र	सूर्य - केतु - सूर्य
05/12/2025 15:58	23/01/2026 19:44	31/01/2026 06:42	21/02/2026 14:03
23/01/2026 19:44	31/01/2026 06:42	21/02/2026 14:03	27/02/2026 23:28
शनि 13/12/2025 10:46	केतु 24/01/2026 06:10	शुक्र 03/02/2026 19:56	सूर्य 21/02/2026 21:44
बुध 20/12/2025 09:54	शुक्र 25/01/2026 12:00	सूर्य 04/02/2026 21:30	चंद्र 22/02/2026 10:31
केतु 23/12/2025 06:43	सूर्य 25/01/2026 20:57	चंद्र 06/02/2026 16:07	मंगल 22/02/2026 19:27
शुक्र 31/12/2025 11:21	चंद्र 26/01/2026 11:52	मंगल 07/02/2026 21:56	राहु 23/02/2026 18:28
सूर्य 02/01/2026 22:20	मंगल 26/01/2026 22:18	राहु 11/02/2026 02:38	गुरु 24/02/2026 14:55
चंद्र 07/01/2026 00:39	राहु 28/01/2026 01:09	गुरु 13/02/2026 22:49	शनि 25/02/2026 15:13
मंगल 09/01/2026 21:28	गुरु 29/01/2026 01:01	शनि 17/02/2026 07:47	बुध 26/02/2026 12:57
राहु 17/01/2026 06:26	शनि 30/01/2026 05:21	बुध 20/02/2026 08:14	केतु 26/02/2026 21:54
गुरु 23/01/2026 19:44	बुध 31/01/2026 06:42	केतु 21/02/2026 14:03	शुक्र 27/02/2026 23:28
सूर्य - केतु - चंद्र	सूर्य - केतु - मंगल	सूर्य - केतु - राहु	सूर्य - केतु - गुरु
27/02/2026 23:28	10/03/2026 15:08	18/03/2026 02:06	06/04/2026 06:19
10/03/2026 15:08	18/03/2026 02:06	06/04/2026 06:19	23/04/2026 07:24
चंद्र 28/02/2026 20:46	मंगल 11/03/2026 01:35	राहु 20/03/2026 23:08	गुरु 08/04/2026 12:52
मंगल 01/03/2026 11:41	राहु 12/03/2026 04:25	गुरु 23/03/2026 12:30	शनि 11/04/2026 05:38
राहु 03/03/2026 02:02	गुरु 13/03/2026 04:17	शनि 26/03/2026 13:22	बुध 13/04/2026 15:35
गुरु 04/03/2026 12:07	शनि 14/03/2026 08:37	बुध 29/03/2026 06:34	केतु 14/04/2026 15:27
शनि 06/03/2026 04:36	बुध 15/03/2026 09:59	केतु 30/03/2026 09:25	शुक्र 17/04/2026 11:38
बुध 07/03/2026 16:49	केतु 15/03/2026 20:25	शुक्र 02/04/2026 14:07	सूर्य 18/04/2026 08:05
केतु 08/03/2026 07:44	शुक्र 17/03/2026 02:15	सूर्य 03/04/2026 13:08	चंद्र 19/04/2026 18:11
शुक्र 10/03/2026 02:21	सूर्य 17/03/2026 11:12	चंद्र 05/04/2026 03:29	मंगल 20/04/2026 18:02
सूर्य 10/03/2026 15:08	चंद्र 18/03/2026 02:06	मंगल 06/04/2026 06:19	राहु 23/04/2026 07:24
सूर्य - केतु - शनि	सूर्य - केतु - बुध	सूर्य - शुक्र - शुक्र	सूर्य - शुक्र - सूर्य
23/04/2026 07:24	13/05/2026 13:11	31/05/2026 15:50	31/07/2026 12:50
13/05/2026 13:11	31/05/2026 15:50	31/07/2026 12:50	18/08/2026 19:08
शनि 26/04/2026 12:19	बुध 16/05/2026 02:46	शुक्र 10/06/2026 19:20	सूर्य 01/08/2026 10:45
बुध 29/04/2026 09:08	केतु 17/05/2026 04:07	सूर्य 13/06/2026 20:23	चंद्र 02/08/2026 23:16
केतु 30/04/2026 13:28	शुक्र 20/05/2026 04:33	चंद्र 18/06/2026 22:08	मंगल 04/08/2026 00:50
शुक्र 03/05/2026 22:26	सूर्य 21/05/2026 02:17	मंगल 22/06/2026 11:21	राहु 06/08/2026 18:35
सूर्य 04/05/2026 22:44	चंद्र 22/05/2026 14:31	राहु 01/07/2026 14:30	गुरु 09/08/2026 05:01
चंद्र 06/05/2026 15:13	मंगल 23/05/2026 15:52	गुरु 09/07/2026 17:18	शनि 12/08/2026 02:25
मंगल 07/05/2026 19:33	राहु 26/05/2026 09:04	शनि 19/07/2026 08:38	बुध 14/08/2026 16:31
राहु 10/05/2026 20:25	गुरु 28/05/2026 19:01	बुध 27/07/2026 23:36	केतु 15/08/2026 18:05
गुरु 13/05/2026 13:11	शनि 31/05/2026 15:50	केतु 31/07/2026 12:50	शुक्र 18/08/2026 19:08

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

इस वर्ष आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा उनमें आपको वांछित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय उत्तम रहेगी तथा पारिवारिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा एवं यश भी अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इस वर्ष में शत्रु एवं विरोधी पक्ष का दमन करने में आप समर्थ हैं। जिससे आपकी- विपक्षी आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की प्राप्ति की भी सम्भावना रहेगी। इसके अतिरिक्त दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं सभी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आप आशातीत उन्नति करेंगे तथा इच्छित लाभ की भी आपको प्राप्ति होगी। साथ ही व्यापार में विस्तार या नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मों को करने में भी आप तत्पर रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राह्मणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबंधी योजनाएं बनाएं या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे साथ ही आपके रुके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।